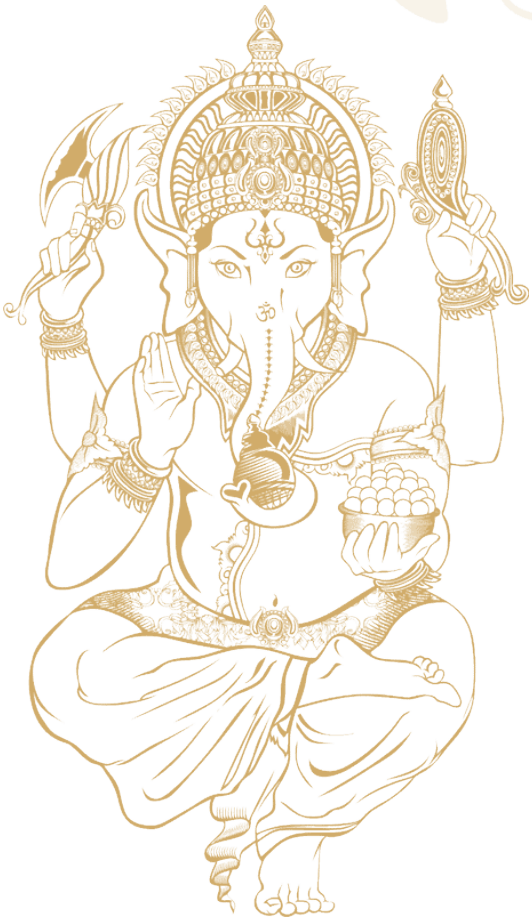

Mr.yash

Ms.kajal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119695101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119695101 Date: 08/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/05/1993	जन्म तिथि	25/02/1996
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 15:15:00	जन्म समय	23:41:00 घंटे
घटी 24:36:48	जन्म समय(घटी)	42:03:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:16	सूर्योदय	06:51:27
19:13:16	सूर्यास्त	18:17:34
23:46:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:19
कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	कृतिका
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	4
सिद्धि	योग	वैधृति
तैतिल	करण	विष्टि
पी-पीयूष	जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
गौ	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	गरूड़

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 3मा 20दि		25:01:21	कन्या	लग्न	तुला	23:50:50	सूर्य 1वर्ष 3मा 5दि	
राहु		15:13:30	वृष	सूर्य	कुंभ	12:37:28	राहु	
19/09/2011		07:05:53	कन्या	चंद्र	वृष	07:11:25	02/06/2014	
19/09/2029		22:50:12	कर्क	मंगल	कुंभ	14:18:30	01/06/2032	
राहु	02/06/2014	01:16:11	मिथु	बुध	मक	19:54:27	राहु	12/02/2017
गुरु	25/10/2016	10:59:32	कन्या व	गुरु	धनु	17:12:40	गुरु	08/07/2019
शनि	01/09/2019	29:56:49	मीन	शुक्र	मीन	25:37:58	शनि	14/05/2022
बुध	20/03/2022	06:27:44	कुंभ	शनि	मीन	01:05:11	बुध	01/12/2024
केतु	08/04/2023	18:25:06	वृश्चि	राहु	कन्या	24:11:35	केतु	19/12/2025
शुक्र	08/04/2026	18:25:06	वृष	केतु	मीन	24:11:35	शुक्र	19/12/2028
सूर्य	02/03/2027	27:57:47	धनु व	हर्ष	मक	08:43:15	सूर्य	13/11/2029
चन्द्र	31/08/2028	27:01:23	धनु व	नेप	मक	02:53:21	चन्द्र	15/05/2031
मंगल	19/09/2029	29:56:50	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	09:17:10	मंगल	01/06/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:10 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:19

लग्न-चलित

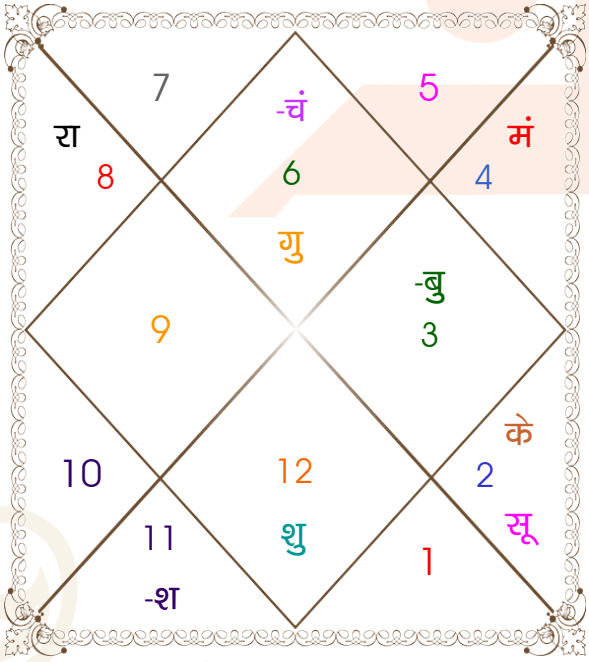

लग्न-चलित

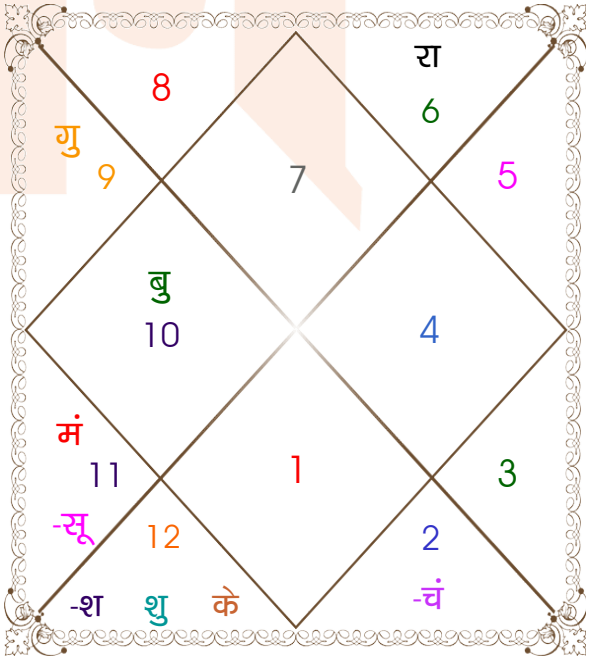

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

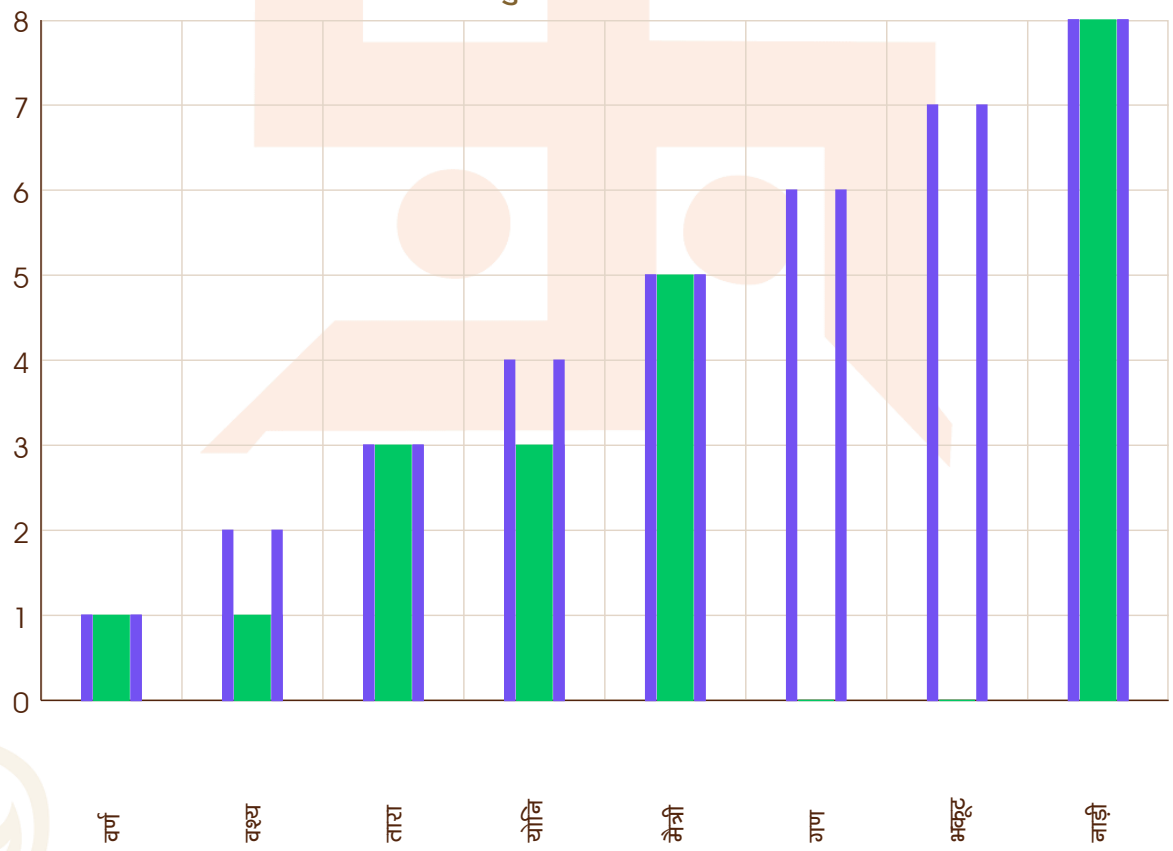

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.yash का वर्ग मूषक है तथा Ms.kajal का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yash और Ms.kajal का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yash मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.kajal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr.yash तथा Ms.kajal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.yash का वर्ण वैश्य है तथा Ms.kajal का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Mr.yash और Ms.kajal दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Mr.yash और Ms.kajal दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Mr.yash का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.kajal का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.yash एवं Ms.kajal दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.kajal अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.yash अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.yash की तारा जन्म तथा Ms.kajal की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.yash की योनि गौ है तथा Ms.kajal की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

VYAS JUGAL
BHOGLA COLONY CHAWAND
TH.SARADA, DIST.UDAIPUR,RAJSTHAN 313904
7486996977
jugalvyas96@gmail.com

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.yash एवं Ms.kajal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.yash एवं Ms.kajal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.yash एवं Ms.kajal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.yash का गण मनुष्य तथा Ms.kajal का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.kajal का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.yash एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.yash से Ms.kajal की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.kajal से Mr.yash की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr.yash की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr.yash की नाड़ी आद्य है तथा Ms.kajal की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Mr.yash की आद्य नाड़ी तथा Ms.kajal की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.yash की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ms.kajal की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण Mr.yash और Ms.kajal के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

Mr.yash की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा Ms.kajal की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः Mr.yash और Ms.kajal के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। Mr.yash और Ms.kajal एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

Mr.yash और Ms.kajal की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा Mr.yash और Ms.kajal में अहंकार के भाव की उत्पति होगी तथा इस प्रवृति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि Mr.yash और Ms.kajal सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

Mr.yash का वश्य मानव तथा Ms.kajal का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

Mr.yash और Ms.kajal दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

धन

Mr.yash और Ms.kajal का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr.yash और Ms.kajal सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr.yash को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन

धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.yash की नाड़ी आद्य तथा Ms.kajal की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.yash और Ms.kajal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.yash और Ms.kajal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.kajal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.kajal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.kajal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.yash और Ms.kajal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.yash और Ms.kajal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.kajal तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms.kajal धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms.kajal के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की

भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms.kajal का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.yash के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.yash अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.yash के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.yash के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।